सिलाई

(कक्षा–11)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2020–21 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई (4) नाप लेने की पद्धतियाँ डायरेक्ट पद्धति, क्लाइमेक्स पद्धति तथा विभिन्न पद्धतियों का संक्षिप्त ज्ञान।

इकाई (6) हाला, टिप, गिरह, फिशेडार्ट ताबीज, चौपा, बबीना, चिलोटी, ट्राइऑन,

इकाई (7) पर्यावरण सुरक्षा(1) सिलाई करते समय विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों से होने वाली सम्भावनायें तथा उन्हें दूर करने के उपाय, (2) सिलाई कक्ष में कूड़ा-कचरा, कतरन जलने से प्रदूषण फैलना तथा उसे दूर करने के उपाय, (3) मशीनों से उत्पन्न होने वाले ध्वनि प्रदूषण को कम करने के उपाय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

39-सिलाई- कक्षा-11

लिखित परीक्षा में एक प्रश्न-पत्र 70 अंक व तीन घण्टे का होगा। इसके अतिरिक्त 30 अंकों की एक प्रयोगात्मक परीक्षा होगी जिसमें मौखिक परीक्षा भी सम्मिलित है। प्रयोगात्मक परीक्षा 4 घण्टे से अधिक न होगी। उत्तीर्ण होने के लिये लिखित और प्रयोगात्मक परीक्षा में कम से कम क्रमशः 23+10=33 अंक आने चाहिये।

इकाई (1) परिधान (पोषाक)–(1) परिधान का महत्व, (2) परिधान के प्रकार, (3) मौसम, आयु, लिंग तथा विभिन्न अवसरों पर परिधान कैसे होने चाहिये ? का ज्ञान। 14 अंक

इकाई (2) वस्त्र अभिन्यास व्यवसाय (1) सफलता के तत्व, (2) वस्त्रों का मितव्ययी प्रयोग, (3) वस्त्रों के प्रकार सूती, ऊनी, रेशमी, सिन्थेटिक एवं आधुनिक वस्त्रों की जानकारी तथा परिधान के अनुसार इन वस्त्रों के प्रयोग का ज्ञान। 14 अंक

इकाई (3) कन्धे एवं शरीर के गठन की जानकारी तथा इसके नाप लेने की विधि शरीर (1) सामान्य, (2) तना हुआ, (3) झुका हुआ, (4) तोंदिल तथा अर्ध तोंदिल, (5) कूबड़ निकला हुआ। 14 अंक

कन्धा–(1) सामान्य, (2) ऊँचा कन्धा, (3) झुका हुआ कन्धा।

इकाई (5) कटाई सिलाई के अंग–(1) कटर क्या है ?, (2) अच्छा कटर और टेलर किस प्रकार बनाया जा सकता है ?, (3) कटाई, सिलाई तथा प्रेस करते समय की सावधानियाँ, (4) अनुमानित कपड़े का ज्ञान, (5) फैशन के अनुसार परिधान बनाने की योग्यता, (6) सिले हुये परिधान में होने वाले दोष की जानकारी तथा उन्हें दूर करने के उपाय। 14 अंक

इकाई (6) सिलाई व्यवसाय में प्रयोग होने वाले शब्दों की परिभाषा एवं ज्ञानदृसिंक करना, दम फ्रॉक, गिदरी, डार्ट प्लीट, चाक, कुटका, धोंसा, ट्रिनिंग, वकरम, ले-आउट, अरज आड़ा, औरेब आदि। 14 अंक

प्रयोगात्मक कार्य

दिये हुये नाप के अनुसार निम्नलिखित वस्त्रों का चित्र बनाना, काटना एवं पूर्ण रूप से सिलना।

पुरुषों के वस्त्र

कमीजें–

(1) नेहरू कमीज, कुर्ता।
(2) बुशशर्ट।

नेकर–

(1) आधुनिक नेकर, हाफपैंट।
(2) तोंदिल एवं अर्ध तोंदिल व्यक्ति के लिये।

पैंट–

(1) नॉर्मल कार्पुलेन्ट।
(2) फ्लाटिरा एक प्लेट तथा बिना प्लेट वाला, आधुनिक फैशन के अनुरूप बच्चों के वस्त्र।
(3) बाबा सूट।

कोट–

(1) नेशनल स्टाइल क्लोज़्ड (बन्दगले) कॉलर कोट।
(2) ऑर्डनरी ओपन कॉलर कोट।
(3) नेहरू जैकेट।

पुस्तकें

कोई पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें

सिलाई

अधिकतम अंक 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांक 10 अंक** **समय 04 घण्टे**

1	दिये गये नापों के अनुसार वस्त्रों के विभिन्न भागों का चित्र बनाना (ड्राफ्टिंग) एवं कटाई करना।	06
2	वस्त्र की सिलाई, फिनिशिंग एवं प्रेसिंग।	06
3	मौखिक कार्य।	03
4	फाइल रिकॉर्ड।	05
5	सिलाई-बालिका, पुरुष एवं स्त्री के वस्त्र।	06
6	मशीन के विभिन्न भागों का ज्ञान।	02
7	सत्रीय कार्य एवं मौखिक कार्य।	02